राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान

प्रस्तावना

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का वर्ष 2016-2017 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन उचित सम्मान के साथ प्रस्तुत करते हुये मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है । इसमें वर्ष के दौरान संस्थान में सम्पन्न हुई गतिविधियों पर प्रकाश ड़ाला गया है । वर्ष के दौरान संस्थान ने शिक्षण, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्या गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्ति की है । मानव जाति के कल्याण हेतु संस्थान का प्रचार-प्रसार, प्रगति, विकास तथा इसे समृद्ध बनाने हेतु श्रेष्ठ प्रयास किये गये हैं ।

मुझे यह सूचित करते हुये अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि संस्थान के चिकित्सालय को राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुविधा प्रत्यायन बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा एनएबीएच एक्रिडिटेशन प्रदान किया गया । संस्थान जल्दी ही एनएएसी एवं एनएबीएल प्रत्यायन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है । नेशनल आयुर्वेद स्टुडेण्ड्स एवं यूथ एसोसिएशन (NASYA) के साथ संस्थान ने साथ साथ एक ही समय पर नस्य पंचकर्म उपचार प्राप्त करने वाले अधिकतम लोगों के लिए गिनीज वर्ल्ड रेकार्ड भी प्राप्त किया है । इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन संस्थान में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव के दौरान किया गया ।

प्रथम राष्ट्रीय आयुर्वेद युवा महोत्सव का आयोजन राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एवं नेशनल आयुर्वेद स्टुडेण्ड्स एवं यूथ एसोसिएशन (NASYA) द्वारा संयुक्तरूप से संस्थान में किया गया । उत्सव का समर्थन आयुष मंत्रालय द्वारा किया गया था । महोत्सव का शुभारंभ श्री श्रीपद येसो नाईक, माानीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा किया गया । इस त्रिदिवसीय महोत्सव के दौरान न्यायमूर्ति श्री एस.एस. कोठारी, लोकायुक्त(राजस्थान), श्री कालीचरण सराफ, माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री, राजस्थान-सरकार, श्री रामचरण बोहरा, माननीय सांसद, श्री सुरेन्द्र पारीक, माननीय विधायक, वैद्य श्री राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, डॉ. मनोज नेसरी, सलाहकार(आयुर्वेद), डॉ. आर. वनिथा, अध्यक्ष, सीसीआईएम, श्री ए. जयकुमार, महासचिव, विज्ञान भारती, प्रो. राधेश्याम शर्मा, कुलपति, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, आदि उपस्थित रहे । इस महोत्सव मे 93 आयुर्वेदिक महाविद्यालयों एवं अन्य आयुर्वेदिक संगठनों से लगभग 2700 प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस महोत्सव में देश के सभी 4 आयुर्वेद विश्वविद्यालयों नामत: - गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड् आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा गुरू रविदास आयुर्वेद विश्वविद्यालय, होशियारपुर साझेदार रहे । महोत्व में न केवल आयुर्वेदिक स्नातकों और स्नातकोत्तर छात्रों की छुपी प्रतिभाओं और कौशल का प्रदर्शन किया वरन अन्य अतिरिक्त पाठ्यचर्या वाले डोमेन में भी प्रदर्शन किये । कई प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, प्रतियोगिताऐं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

संस्थान एवं टुनकू अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय, कुआलालम्पुर, मलेशिया के मध्य मलेशिया में आयुर्वेद के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए एक आपसी समझपत्र (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है । इस एमओयू से संस्थान को आयुर्वेद के शिक्षण, प्रशिक्षण, रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों, विशेषरूप से पंचकम एवं क्षार-सूत्र चिकित्सा पद्धतियों की क्षमताओं को प्रोजेक्ट करने में मदद मिलेगी ।

अफ्रीकी देशों के 25 औषधि विनियामों के एक दल ने संस्थान के कार्यों को समझने और जानने के लिए संस्थान का दौरा किया । उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, रोगी देखभाल गतिविधियाँ और औषध उत्पादन प्रक्रिया जैसी विविध गतिविधियों का अवलोकन करवाया गया ।

जींग्वा आर्ट्स यूनिवर्सिटी, दक्षिणी कोरिया के 11 छात्रों के दल ने वहां के अध्यक्ष, निदेशक एवं संकाय सदस्यों के साथ आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए संस्थान का दौरा किया । उन्हें संस्थान के शिक्षकों द्वारा व्याख्यान देकर आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्तों का सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक 5 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया इसके उपरान्त उनका एक परख लिया गया । सभी छात्रों ने परख सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया एवं उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित किये गये । प्रतिक्रियाऐं प्राप्त की गई । दल ने प्रशिक्षण एवं संस्थान द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया ।

आलोच्य वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा संभाषा : मधुमेह(डायबिटीज मेलाइट्स) के प्रबन्ध में आयुर्वेद की भूमिका एवं क्षेत्र तथा इसकी जटिलताऐं विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई । अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समुचित रूप से मनाये गये ।

संस्थान के शासी निकाय का विशिष्ठ उपवेशन दिनांक 16-3-2017 को श्री श्रीपद येसो नाईक, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय की अध्यक्षता में संस्थान के विस्तार के रूप में पंचकुला (हरियाणा) में अखिल भारतीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एआईआईएवाईएण्डएन) बनाने के लिए संस्थान के मेमोरण्डम ऑफ एसोएिशन ऑर बाय-लॉज में बदलाव कर इस संबध में शासी निकाय को शक्ति प्रदान करने के निर्णय के साथ सम्पन्न हुआ ।

लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली के अन्तर्गत संस्थान पंजीकृत हो गया है तथा लोक वित्त प्रबन्ध प्रणाली के माध्यम से भुगतान किये जा रहे हैं ।

विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में मानव संसाधन विकास पर अपने कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयुर्वेदाचार्य के स्नातक पाठ्यक्रम में 90 सीटों पर प्रवेश दिये गये, आयुर्वेद-वाचस्पति/आयुर्वेद-धन्वन्तरि के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 103 सीटों पर प्रवेश किये गये, आयुष नर्सिग एण्ड फार्मेसी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 30 सीटों पर तथा पंचकर्म परिचारक पाठ्यक्रम की 18 सीटों पर प्रवेश दिये गये । रशिया, ईरान, निकारागुआ, तंजानिया, भूटान, श्रीलंका, मलेशिया, थाईलैण्ड, नेपाल तथा बाग्लादेश के अभ्यर्थी स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेशित किये गये ।

आलोच्य वर्ष के दौरान ई-होस्पीटल सुविधाऐं प्रारम्भ की गई । तम्बाकू सेवन, मदिरापान आदि की आदतों के रोगियों के प्रबन्धन एवं चिकित्सा हेतु नशामुक्ति इकाई का शुभारंभ किया गया । रोगी परिचर्या गतिविधियों के अपने कार्यक्रम में आलोच्य वर्ष के दौरान, बहिरंग विभाग में कुल 2,33,805 रोगियों की चिकित्सा की गई जिनमें 1,46,532 नवीन रोगी थे तथा अन्तरंग विभाग में कुल 78,570 रोगियों को चिकित्सा प्रदान की गयी जिनमें 5,629 नवीन रोगी थे । एस.सी.पी. तथा टी.एस.पी. स्कीम के तहत संस्थान राजस्थान के अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल दर्जनभर जिलों में चल चिकित्सा शिविर भी नियमितरूप से आयोजित कर रहा है । जयपुर शहर में तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों के साथ स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । वर्ष के दौरान, 50 शिविर आयोजित किये जाकर 48,871 रोगियों को चिकित्सा प्रदान की गयी तथा नि:शुल्क औषधियाँ वितरित की गयी ।

संस्थान की जीएमपी सर्टिफाईड रसायनशाला, चिकित्सालयों तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तथा फैलोशिप प्रोग्राम की शोध गतिविधियों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु आवश्यक औषधियों का निर्माण कर रही है । वर्ष के दौरान रू. 1,32,47,957/- की लागत से 130 प्रकार की विभिन्न औषधियों (41,370 कि.ग्रा.) का निर्माण किया गया जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 2,784 कि.ग्रा. अधिक है । चिकित्सालय, शोध आदि की आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु संस्थान प्रत्येक वर्ष उत्पादन बढ़ोतरी करने के सभी प्रयास करता रहा है। रसायन शाला को 2 शिफ्टों में चलाया जा रहा है ।

संस्थान परिसर में 440 सीटोंयुक्त 6 छात्रावास अवस्थित है जो कि स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. के छात्रों एवं छात्राओं हेतु पृथक-पृथक उपलब्ध है ।

संस्थान का पुस्तकालय नवीन भवन में स्थानान्तरित कर दिया गया है । पुस्तकालय में 28,000 पुस्तकें, 115 पत्र-पत्रिकायें, संदर्भ एवं अनुसंधान के उद्देश्यार्थ 2616 जर्नल्स के वार्षिकांक उपलब्ध है । बुक-बैंक में 7,561 पुस्तकें है जो कि प्रत्येक छात्र को वरीयता-सह-आवश्यकता के आधार पर दी जाती है। पुस्तकालय में हर वर्ष नवीन पुस्तकें जर्नल्स आदि जोड़े जाते है । अध्यापकों तथा अध्येताओं हेतु सुगम एवं त्वरित संदर्भ के लिए सभी विभागों में विभागीय पुस्तकालय अवस्थित है । ई-पुस्तकालय की प्रक्रिया प्रगति पर है ।

संस्थान परिसर 12 एकड़ भूमि पर विस्तारित है तथा इसका बुनियादी ढाँचा अच्छा है यथा - शैक्षणिक, चिकित्सालयों, छात्रावासों, रसायनशाला, कार्यालय, प्रयोगशाला, कॉटेज तथा क्युबिकल वार्ड्स, सभागार आदि भवन तथा संस्थान प्रांगण से दूरस्थ शहर में एक सिटी चिकित्सालय 1300 वर्गमीटर भूमि पर शहर की हृदयस्थली में अवस्थित है ।

आयुष मंत्रालय द्वारा संस्थान को गैर-योजना तथा योजना व्यय हेतु आवश्यक अनुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है । वर्ष के दौरान, विभिन्न गतिविधियों हेतु आयुष विभाग द्वारा गैर-योजना मद में रू. 3168.28 लाख तथा योजना मद में रू. 2355.10 लाख उपलब्ध कराये गयें है ।

संस्थान अपनी ख्याति देश में ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अर्जित कर सके व आयुर्वेद शिक्षा हेतु उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में जाना जा सके इस हेतु संस्थान में आगामी वर्षो में निम्नलिखित गतिविधियों को किया जाना प्रस्तावित है :-

- आयुर्वेदिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्ठता केन्द्र स्थापित करना ।
- संसद के अधिनियम के अन्तर्गत 'अन्तर्राष्ट्रीय महता का संस्थान' का स्तर प्राप्त करना ।
- अपनी स्वयं की उपाधि एवं डिप्लोमा प्रदान करने हेतु पूर्ण कार्यात्मक संस्थान ।
- आयुर्वेदाचार्य पाठ्यक्रम में 92 स्थानों से बढ़ाकर 100 स्थान वार्षिक करना ।
- एनएबीएल एक्रिडिटेशन ।
- एनएएसी एक्रिडिटेशन ।
- पंचकुला(हरियाणा) में राष्ट्रीय आयुर्वेद एवं योग संस्थान की संस्थापना ।
- देशी एवं विदेशी छात्रों हेतु आयुर्वेद के ई-लर्निंगं पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना ।
- विदेशी चिकित्सकीय एवं गैर-चिकित्सकीय प्रोफेशनल्स हेतु फॉरेन एक्सपोज़र ट्रेनिंग प्रोग्राम को और सुदृढ़ बनाना ।
- आयुर्वेदिक शिक्षण, प्रशिक्षण, प्रकाशन, अनुसंधान, विशेषज्ञों एवं छात्रों के विनिमय के क्षेत्र में विदेशों से अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग ।
- डब्ल्यू.एच.ओ. कोलेबोरेशन सेन्टर की स्थापना ।
- शिक्षण मॉड्यूल का विकास ।
- एक वर्षीय पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना ।
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त जर्नल्स में उच्च कोटि के वैज्ञानिक शोध पत्रों का प्रकाशन।
- पेटेन्ट प्रक्रिया इससे व्यापक प्रयोज्यता एवं बिक्री योग्यता होगी ।

- ख्यातिप्राप्त संस्थानों में संबद्ध विषयों के उपलब्ध श्रेष्ठ कुशाग्र विद्वानों (जो कि उन्नत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं रोगी परिचर्या तथा उच्च कोटि शोध कार्य में अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं) का उपयोग ।
- संस्थान एवं टुनकू अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय, मलेशिया के मध्य शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार आदि के लिए किये गये एमओयू के प्रावधानों का पूर्ण पालन ।
- सीसीआरएएस से 'वेलीडेशन ऑफ प्रकृति असेस्मेन्ट क्वेश्नेयर/स्केल' विषय में किये गये एमओयू के प्रावधानों का पूर्ण पालन ।
- विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ/सम्मेलन आयोजित करना ।
- ई-होस्पिटल सेवाओं एवं सुविधाओं में अभिवृद्धि करना ।
- ओपीडी सुविधाओं के साथ प्रारंभ किये गये ट्राईबल होस्पिटल में आइपीडी सुविधाऐं प्रारम्भ करना।
- चिकित्सालय में विशिष्ठ नैदानिक इकाईयाँ एवं श्रेष्ठ अभ्यास प्रारंभ करना ।
- पंचकर्म एवं क्षार सूत्र की विशिष्ठ इकाईयों की संस्थापना ।
- आयुर्वेद के क्षेत्र में प्रायोगिक और नैदानिक आकड़ों का संग्रहण करना ।
- ओर आगे अनुसंधान करने हेतु आंकड़ों का निर्धारण करना ।
- चिकित्सालय एवं अनुसंधान की कुल आवश्यकता की आपूर्ति हेतु रसायनशाला में उत्पादन बढ़ाना ।
- औषधि परीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण हेतु उन्नत प्रयोगशालाओं का शुभारंभ ।
- पीपीपी मॉडल आधारित उन्नत नैदानिक प्रयोगशाला स्थापित करना ।
- विभिन्न मशीनों एवं उपकरणों को क्रय कर सभी शैक्षणिक विभाग, प्रयोगशालाऐं, अस्पतालों, रसायनशाला आदि का संवर्द्धन किया जायेगा जिससे विभिन्न गतिविधियों को मुख्यधारा में लाया जा सकेगा ।
- चिकित्सालय कॉम्पलैक्स का नवीनीकरण किया जा रहा है ।
- अल्प समय में सुगमता से सभी रोगियों को औषध वितरण किया जा सके इसके लिए औषध-वितरण काउंटर बढ़ाना ।
- जानवरों पर औषध का अनुसंधान करने हेतु पशु-घर का निर्माण किया जा रहा है ।
- शहर में विश्वस्तरीय चिकित्सालय बनाने हेतु बहुमंजिला इमारत का निर्माण करना ।
- संस्थान परिसर में चिकित्सालय सेवाओं में सुधार करने हेतु नवीन बहिरंग रोगी विभाग का निर्माण करना ।
- केन्द्रीय प्रयोगशाला तथा डीलक्स/कोटेज हेतु बहुमंजिला भवन का निर्माण करना ।
- विदेशी छात्र/छात्राओं हेतु छात्रावास तथा अतिथिगृह एवं इनडोर गेम्स हेतु स्थान बनाने हेतु निर्माण करना ।
- नवीन ऑपरेशन थियेटर कॉम्पलैक्स का निमार्ण करना

इन सभी सेवाओं, सुविधाओं व राष्ट्रीय स्तरीय संस्थान के योग्य बुनियादी ढ़ांचों के साथ, संस्थान आयुष मंत्रालय द्वारा तय किये गये उद्देश्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर हो रहा है विशेषरूप से शिक्षा, प्रशिक्षण तथा रोगी परिचर्यात्मक गतिविधियों का प्रौन्नयन आयुर्वेद को विश्व में चिकित्सा की सशक्त पद्धति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है ।

इन विनम्र शब्दों के साथ, मैं, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के वित्तीय वर्ष 2016-2017 के वार्षिक प्रतिवेदन और अंकेक्षित लेखा विवरण, प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करता हूँ ।

प्रो. संजीव शर्मा
निदेशक